Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2023 SHISRRJ | Volume 6 | Issue 3 | ISSN : 2581- 6306

महिला उद्यमिता - समस्याएं और संभावनाएं

Rajesh Kumar

Assistant Professor, Govt. College Bhattu Kalan, Fatehabad

Article Info

Publication Issue :
May-June-2023
Volume 6, Issue 3

Page Number : 25-37

Article History
Received : 07 May 2023
Published : 30 June 2023

परिचय

पढ़ी-लिखी महिलाएँ घर की चार दीवारी में अपने जीवन को सीमित नहीं रखना चाहतीं। वे अपने सहयोगियों से समान सम्मान की मांग करती हैं । हालांकि, भारतीय महिलाओं को समान अधिकार और स्थिति हासिल करने के लिए अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना हैक्योंकि भारतीय समाज लम्बे समय से एक पुरुष प्रधान रहा समाज है जिसमे रुढ़िवादी परम्पराओं की जड़ें बहुत गहराई तक फैली हुयी है । भारतीय समाज में महिलाओं को कमजोर माना जाता है क्योंकि उनके पास उन अधिकारों कि कमी होती है जो एक पुरुष को प्राप्त होते है और उन्हें हमेशा अपने पूरे जीवन में पुरुषों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है । हमारी संस्कृति ने उन्हें बुनियादी परिवार संरचना से सम्बन्धित पुरुषों द्वारा लिए गए निर्णयों का केवल अधीनस्थ और निष्पादक बनाकर रख दिया है । एक तरफ तो महिलायों को समाज में शक्ति का रू।माना जाता है और दूसरी और उनकी अवहेलना भी की जाती है । महिलायें शायद दुनिया का ऐसा मानवीय संशाधन जिसकी शक्तियों का अभी तक पूर्ण प्रयोग नहीं किया गया है । सभी प्रकार की सामाजिक बाधाओं के बावजूद भारत महिलाओं की सफलता की कहानियों के साथ काम कर रहा है। बहुत सी महिलायों ने अपने कार्य और प्रतिभा के दम पर भारत देश में अपनी एक अद्भुत छवि का निर्माण किया है और संबंधित क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए पुरे विश्व में उनकी सराहना की जाती है। सामाजिक सरंचना में अमूल चूल परिवर्तन, महिलाओं की बढ़ती शैक्षिक स्थिति और विविधताओं के संदर्भ में बेहतर जीवन जीने की आकांक्षाओं के कारण भारतीय महिलाओं की जीवन शैली में बदलाव आया। इस पुरुष प्रधान समाज में उन्होंने डटकर हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ प्रतिस्पर्धा की और सफलतापूर्वक जीवन के हर क्षेत्र में उसके साथ खड़ा होने कि अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया , व्यवसाय भी इससे अछुता नहीं रहा है । अब भारतीय महिला नेता मुखर, प्रेरक और जोखिम उठाने को तैयार हैं। वे अपनी मेहनत,लगन और दृढ़ता से इस गलाकाट प्रतियोगिता में अपने अस्तित्व को बनाये रखने और सफल होने में कामयाब रहीं । निर्णयों में दृढ़ता, खुली शैली , जल्दी सीखने की क्षमता,समस्या को आसानी से हल करना, जोखिम उठाने और संभावनायें खोजने की इच्छा, लोगों को प्रेरित करने की क्षमता, सफलता प्राप्त करने कि इच्छा , सबके साथ मिलकर कार्य करना आदि भारतीय महिला उधमियो कि विशेषताएँ है ।

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

अवधारणा

महिला उद्यमी से आशय महिला जनसंख्या के उस भाग से है जो औद्योगिक क्रियाओं में साहसिक कार्य में संलग्न। "महिला उद्यमी उस उद्यमी को कहा जाता है जो किसी उपक्रम की स्वामी होते हुए उसका नियंत्रण करती है तथा उपक्रम की पूंजी में 51 प्रतिशत का अंश धारण किए हुए है तथा उपक्रम में कार्यरत महिला कर्मचारियों की संख्या न्यूनतम 51 प्रतिशत हो" । महिला मानवीय संशाधन का अल्प्रयोग, निर्णयों में भागीदारी का ना होना,पुरुषों पर आर्थिक निर्भरता आधुनिक शिक्षा का प्रचार प्रसार एवं व्यवसाय स्थापना कि इच्छा आदि कुछ ऐसे कारक हैं जो महिलाओं को एक स्वतंत्र पेशा रखने और अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रोत्साहित करते है। एक उद्यम स्थापना के पीछे उनके अपने जीवन और करियर से सम्बंधित स्वतंत्र निर्णय लेने कि भावना भी एक प्रेरक कारक है । घरेलू कामों और घरेलू ज़िम्मेदारियों से घिरी महिलाएँ थोड़ी स्वतन्त्रता चाहती हैं। इन कारकों के प्रभाव में महिला उद्यमी एक चुनौती के रूप में और कुछ नया करने के लिए एक आग्रह के रूप में एक पेशे का चुनाव करती है । ऐसी स्थिति को पुल कारकों के रूप में वर्णित किया जाता है।जबकि पुश कारकों में पारिवारिक मजबूरी, रोजगार का न होना आदि को वर्णित किया जाता है। अतः एक महिला उद्यमी व्यवसाय को आरम्भ करती है तथा उसका गठन एवं संचालन करती है।

महिला उद्यमियों के अहम योगदान के निम्नलिखित कारण रहे है:

- वे स्व-विकास के लिए नयी चुनौतियों तथा अवसरों को ज्यादा पसंद करती हैं।
- वे नव-प्रवर्तक तथा प्रतिस्पर्धी जॉब्स में अपनी योग्यता सिद्ध करना चाहती हैं।
- वे अपनी घरेलू जिम्मेदारी तथा व्यावसायिक जीवन में संतुलन के द्वारा नियंत्रण को बदलना चाहती हैं।

महिला उद्यमिता के कारण

भारत में महिलाओं के व्यवसाय में प्रवेश को उनकी परम्परागत रसोई गतिविधियों मुख्य रूप से 3P (Pickle, Powder and Pappad) अचार, पाउडर और पापड़ के विस्तार के रूप में देखा जा सकता है। परम्परागत जिम्मेदारियों की बेड़ियों को त्यागने के बाद महिलायों ने उन बेड़ियों को ही अपना सुरक्षा कवच बना लिया और हर प्रकार के व्यवसायों में अपना वर्चस्व स्थापित किया। लेकिन शिक्षा के प्रसार और समय बीतने के साथ महिलाओं ने 3P को आधुनिक 3E यानी एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग में बदलना शुरू कर दिया। व्यवसाय में कौशल, ज्ञान और अनुकूलनशीलता महिलाओं के व्यवसाय के उपक्रम में उभरने के मुख्य कारण हैं। महिला उद्यमी एक ऐसा व्यक्ति है जो उसकी व्यक्तिगत जरूरतें और आर्थिक रूप से स्वतंत्रता के लिए मिलने वाली चुनौतीपूर्ण भूमिका स्वीकार करता है। कुछ सकारात्मक करने की तीव्र इच्छा उद्यमी महिलाओं की आंतरिक विशेषता है, जो उन्हें पारिवारिक और सामाजिक जीवन, दोनों में अपना सम्पूर्ण योगदान देने में सक्षम बनाती है। मीडिया के आगमन के कारण महिलाओं को अपने स्वयं के लक्षणों, अधिकारों और काम की स्थितियों के बारे में पता चला है। डिजिटल युग में नौकरी चाहने वाले नौकरी निर्माताओं में बदल रहे हैं जिस कारण डिजिटल युग की महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियाँ और अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं । कई महिलाएं कुछ दर्दनाक घटना के कारण व्यवसाय शुरू करती हैं, जैसे कि तलाक, गर्भावस्था के कारण भेदभाव या कॉरपोरेट ग्लास सीलिंग, परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य या छंटनी जैसे आर्थिक कारण। परंतु आज महिला उद्यमियों का एक नया प्रतिभाशाली संघ बन रहा है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं कॉर्पोरेट दुनिया में अपने स्वयं के भाग्य का निर्माण और अपने लक्ष्य स्वयम निर्धारित करने के लिए घर कि चारदीवारी से बाहर निकलने का विकल्प चुनती हैं। वे डिजाइनर, इंटीरियर, सज्जाकार, निर्यातक, प्रकाशक, परिधान निर्माता के रूप में फल-फूल रहीं हैं और अभी भी आर्थिक भागीदारी के नए रास्ते तलाश रहीं हैं।

निम्न चार्ट महिलाओं के सफल उद्यमी बनने के कारणों को दर्शाता है:-

भारतीय समाज में महिला उद्यमियों के विकास को बाधित करने वाले तत्व:-

महिला उद्यमियों द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याओं और बाधाओं के परिणामस्वरूप महिला उद्यमिता का विस्तार सीमित हो गया है। महिला उद्यमियों के सामने आने वाली प्रमुख बाधाएँ हैं: -

- महिला उद्यमियों के लिए सबसे बड़ी बाधा यह है कि वे महिलाएं हैं। एक तरह की पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था उनके व्यवसाय की सफलता के रास्ते में आने वाली सबसे बड़ी बाधा है । पुरुष सदस्यों को लगता है कि महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे उपक्रमों का वित्तपोषण करना एक बड़ा जोखिम है।
- देश के कई हिस्सों में अभी भी पुरुषवाद का प्रचलन है। महिलाओं को अबला के रूप में देखा जाता है यानी सभी प्रकार से कमजोर। पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को पुरुषों के बराबर नहीं माना जाता हैं जो व्यवसाय में महिला के प्रवेश के लिए सबसे बड़ा बाधक तत्व हैं।

- महिला उद्यमियों को उन पुरुष उद्यमियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है जो अपने उत्पाद एवं सेवाओं का प्रचार, प्रसार , विकास और विपणन आसानी से दोनों, संगठित क्षेत्र और उनके पुरुष समकक्ष क्षेत्त्रों में आसानी करते है ।इस प्रकार कि प्रतियोगिता अंत में महिला उद्यमों के समापन का कारण बनता है।
- आत्मविश्वास, इच्छा-शक्ति, मजबूत मानसिक दृष्टिकोण और आशावादी रवैये का अभाव महिलाओं के बीच अपने काम के दौरान गलतियाँ करने का कारण बनता है । ऐसे में परिवार के सदस्य और समाज महिला उद्यमशीलता के साथ खड़े होने में रूचि नहीं लेता हैं।
- भारत में महिलाएं संरक्षित जीवन जीती हैं। वे आर्थिक रू।से कमजोर और पुरुषों कि तुलना में शिक्षित भी कम होती हैं ।इसके अतिरिक्त आत्म-निर्भरता कि कमी भी व्यवसायिक जोखिम और अनिश्चितताओं को सहन करने की उनकी क्षमता को कम करता हैं
- महिलाओं के व्यवसायिक क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए पुराना और आउटडेटिड सामाजिक दृष्टिकोण बाधक बनता है । उन पर हमेशा एक सामाजिक दबाव रहता हैं जो उन्हें उद्यमशीलता के क्षेत्र में समृद्धि और सफलता प्राप्त करने से रोकता है।
- पुरुषों के विपरीत, भारत में महिलाओं की गतिशीलता कई कारणों से अत्यधिक सीमित है। अपने लिए अलग कमरे तक की मांग करने वाली महिलाओं को अभी भी संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।महिलाओं के प्रति अपमानजनक रवैया रखने वाले अधिकारियों के साथ मिलकर एक उद्यम शुरू करना उन्हें पूरी तरह से उद्यम में जीवित रहने की अपनी भावना को छोड़ने के लिए मजबूर करता है।
- दोनों, विकसित और विकासशील राष्ट्र की महिलाओं के पारिवारिक दायित्व भी उन्हें सफल उद्यमी बनने से रोकते हैं। वित्तीय संस्थान भी इस विश्वास पर कि वे किसी भी समय अपना व्यवसाय छोडकर फिर से गृहिणियां बन सकती है, महिलाओं को हतोत्साहित करते हैं।
- भारतीय महिलाएं पारिवारिक संबंधों पर अधिक बल देती हैं। विवाहित महिलाओं को अपने व्यवसाय और परिवार के बीच एक अच्छा संतुलन बनाना पड़ता है । इसके अतिरिक्त उनकी व्यावसायिक सफलता भी परिवार के सदस्यों के सहयोग और समर्थनभी भी निर्भर करती है ।
- महिलाओं के पारिवारिक और व्यक्तिगत दायित्व कभी-कभी व्यापार और कैरियर के सफल होने के लिए एक बड़ी बाधा होते हैं। केवल कुछ महिलाएं ही घर और व्यवसाय दोनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में सक्षम हैं,अपनी सभी जिम्मेदारियों को प्राथमिकता से निभाने के लिए पर्याप्त समय देना,पतियों का शैक्षिक स्तर और पारिवारिक पृष्ठभूमि भी महिलाओं कि उद्यम के क्षेत्र में भागीदारी को प्रभावित करती है।
- अपने स्वयं के परिवार द्वारा महिलाओं के लिए उचित समर्थन, सहयोग और बैक-अप की अनुपस्थिति और बाहरी दुनिया के लोग उन्हे उतम से उतम विचार और उद्यम क्षेत्र को छोड़ने के लिए मजबूर करते हैं वे हमेशा उनके दिमाग में कई निराशावादी भावनाओं को में पैदा करते रहते हैं। और उन्हें यह महसूस करवाया जाता है कि व्यवसाय नहीं उनके लिये नहीं है।
- कुछ व्यावसायिक कार्यों की उच्च उत्पादन लागत का महिला उद्यमी के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नई मशीनरी की स्थापना उत्पादक क्षमता के विस्तार जैसे कारक महिला उद्यमियों की नए क्षेत्रों में पहुंच को हतोत्साहित करते हैं।
- महिलाओं द्वारा नियंत्रित व्यवसाय अक्सर छोटा होता है और महिलाओं के लिए इस से सम्बन्धित प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, नवीन योजनाओं, रियायतें, वैकल्पिक बाजार आदि तक एक्सेस करना हमेशा आसान नहीं होता है ।

महिला उद्यमियों का बस एक छोटा सा प्रतिशत प्रौद्योगिकी की सहायता का लाभ उठा पा रहा है और वे भी कंप्यूटर में वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर तक ही सीमित है । वे बड़ी मुश्किल से उपलब्ध उन्नत सॉफ़्टवेयर सांख्यिकीय , लेखा पैकेज जैसे TALLY, 3D एनिमेशन सॉफ्टवेयर , इंटरनेट, आदि का उपयोग करते हैं ।

- वित्तीय क्षेत्र में संस्थानों द्वारा प्रोत्साहन, ऋण, योजनाओं के रू।में वित्तीय सहायता के बारे में जागरूकता की कमी आदि भी महिलायों के पिछड़ेपन का कारण बनते है ।

महिला उद्यमियों को अनुचित ढांचागत सुविधाओं, उच्च उत्पादन लागत, महिलाओं के प्रति आधुनिक समाज के लोगों का दृष्टिकोण, उद्यम की कम जरूरतें आदि के रूप में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।पुरुषों की तुलना में महिलाएं भी औसतन दस साल बाद व्यवसाय शुरू करती हैं,। मातृत्व, प्रबंधन अनुभव की कमी, और पारंपरिक समाजीकरण आदि को उद्यमी करियर में महिलायों के देरी से प्रवेश के कारणों के रूप में उद्धृत किया जा सकता है।

महिला उद्यमियों के विकास के लिए उपाय

महिला उद्यमियों के विकास और उद्यमशीलता की गतिविधियों में उनकी अधिक भागीदारी के लिए सभी क्षेत्रों से सही प्रयासों की आवश्यकता है। उद्यमिता मूल रूप से एक के जीवन और गतिविधियों के नियंत्रण में होने का तात्पर्य है और महिला उद्यमियों को अपने विरोधाभास से बाहर आने के लिए आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और गतिशीलता प्रदान करने की आवश्यकता है। विभिन्न अवसरों को जब्त करने और व्यापार में चुनौतियों का सामना करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय सुझाए गए हैं

- महिला उद्यमियों को प्रेरित करने, प्रोत्साहित करने, प्रेरित करने और सहयोग करने के लिए निरंतर प्रयास होना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों के बारे में व्यवसाय संचालित करने के इरादे के साथ एक जागरूकता कार्यक्रम बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाना चाहिए ।
- महिलाओं में शिक्षा ,सामान्य रू।से उनके प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव के लिए प्रभावी प्रावधान करना और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, अपने पूरे व्यक्तित्व को सुधारने के के मानकों को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए।
- पेशेवर दक्षता, प्रबंधकीय, नेतृत्व, विपणन, वित्तीय, उत्पादन प्रक्रिया, लाभ योजना और अन्य कौशल विकसित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। इससे महिलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा ।
- महिला समुदाय को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना जो उन्हें व्यवसाय करने में सक्षम बनाता है और उत्पादन प्रक्रिया और उत्पादन प्रबंधन को समझने में मदद करेगा ।
- महिलाओं के पॉलिटेक्निक और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में कौशल विकास किया जाना चाहिए ।
- शैक्षिक संस्थानों को विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों के साथ गठजोड़ करना चाहिए ताकि व्यवसाय की योजना बनाने के लिए मुख्य रूप से उद्यमिता विकास में सहायता करने वाली परियोजनायों को बल प्रदान किया जा सके ।
- अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, स्थानीय व्यापार मेलों, औद्योगिक प्रदर्शनियों, सेमिनारों और महिलाओं को अन्य महिला उद्यमियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करने के लिए सम्मेलनों का आयोजन किया जाना चाहिए।
- व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लिए सॉफ्ट लोन और अनुदान की पेशकश की जानी चाहिए । छोटे और बड़े पैमाने पर उद्यम स्थापित करने के लिए पूंजी सहायता देने के लिए वित्तीय संस्थानों को अधिक प्रयास करना चाहिए।

- स्थानीय स्तर पर महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सूक्ष्म ऋण प्रणाली और उद्यम ऋण प्रणाली विकसित कि जानी चाहिए । कमजोर वर्ग विभिन्न योजनाओं और प्रोत्साहनों जैसे प्रधानमंत्री रोज़गार योजना, खादी और ग्रामीण ग्रामोद्योग योजना इत्यादि के माध्यम से धन जुटा सकता है।
- शुरुआती चरणों में महिला उद्यमियों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है लेकिन उन्हें अपने निर्णय पर दृढ रहना चाहिए और स्वयं पर विश्वास करना चाहिए तथा स्थापित उद्यम को बंद नहीं करना चाहिए ।
- विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और सरकारी संगठनों द्वारा उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में महिलाओं के विकास पर नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों के बारे में सूचना फैलाने के लिए प्रयास चाहिए। महिला उद्यमियों को सरकार द्वारा प्रदान की गई विभिन्न योजनाएं का उपयोग करना चाहिए। महिलाओं को बदलते समय के साथ खुद को उन्नत बनाने की कोशिश करनी चाहिए।
- महिलाओं को शिक्षित और लगातार प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।व्यवसाय के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में कौशल और प्रबंधन ज्ञान प्राप्त करें।इससे महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद मिल सकती है और एक अच्छा व्यापार नेटवर्क विकसित करने में भी सहायता प्राप्त होती है ।
- उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में महिलाओं की मदद करने के लिए महिला स्वयं सहायता समूह महिलाओं के संसाधन और पूंजी जुटाने के लिए एक सकारात्मक भूमिका निभा सकता है।
- महिला उद्यमियों का प्रगति पथ पर आने वाली समस्याओं, शिकायतों, मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अखिल भारतीय मंचों की स्थापना करना और इस सम्बन्ध में उपयुक्त निर्णय देना।

महिला उद्यमियों को प्राप्त होने वाली सुविधाएँ

वूमेन इंटरप्रेन्योशिप को देश के आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण अंग माना गया है। इकनोमिक ग्रोथ के लिए महिलाओं का योगदान बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजना बनाई हैं, जिससे वूमेन इंटरप्रेन्योशिप में इजाफा हो।इकनोमिक ग्रोथ में महिलाओं का योगदान बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजना बनाई हैं, जिससे वीमेन आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिले। इन योजनाओं के तहत सरकार उन महिलाओं को कई तरह के प्रोत्साहन दे रही है, जो कि खुद अपना कारोबार कर रही हैं।

MSME मंत्रालय ने महिला उद्यमियों की मुश्किलों को सुलझाने और उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराने के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की हैं । सरकार आंत्रप्रेन्योरशिप डिवेलपमेंट प्रोग्राम के तहत महिलाओं को शिक्षित करने के साथ उनकी स्किल्स बढ़ाने पर फोकस कर रही है। सरकार ने महिला उद्यमियों को उनके कारोबार से होने वाले फायदे पर तीन साल तक 100% टैक्स छूट दी है ।

इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों की कई अन्य योजनाएं भी हैं, जो कि गरीब महिलाओं को रोजगार का जरिया उपलब्ध कराती हैं ।

महिला उद्यमियों के लिए स्कीमें-

अन्नपूर्णा योजना (Annapurna Scheme)

भारत सरकार द्वारा अन्नपूर्णा योजना को 31 अक्टूबर 2015 को जयपुर जिले के बमोरी गांव से शुरू किया गया। अन्नपूर्णा योजना के तहत वे महिला उद्यमी जो पैक किए गए भोजन, नाश्ते आदि खाद्य वस्तुओं को बेचने के लिए खाद्य खानपान उद्योग स्थापित करना चाहती हैं। इस योजना के भीतर स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के द्वारा उन महिला उद्यमियों को पचास हजार रुपए की ऋण राशि दी जाएगी और जिसे 36 महीनों की मासिक किस्तों पर भुगतान करना होगा। यह ऋण महिला उद्यमी की प्राथमिक जरूरतों को पूर्ण करने के लिए दिया जाएगा, यानी कि बर्तन और अन्य उपकरणों को खरीदने के लिए। इस ऋण की ब्याज दर बाजार दर के हिसाब से लगाई जाएगी और यह ऋण प्राप्त करने के लिए महिला उद्यमी को एक गारंटर की आवश्यकता होती हैं, क्योंकि बिना गारंटर महिला उद्यमी को यह ऋण नहीं दिया जाएगा। भारत सरकार द्वारा उठाया गया महिला उद्यमीयों के लिए काफी अच्छा कदम है।

ओरिएंटल महिला विकास योजना (Orient Mahila Vikas Yojana Scheme)-

वे महिलाएं जो व्यक्तिगत रूप से या फिर संयुक्त रूप से एक मालिकाना चिंता के चलते 51% शेयर पूंजी रखती हैं, उन्हें ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के द्वारा ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत लघु उद्योगों में महिला उद्यमी को 10 लाख से लेकर ₹2500000 तक का ऋण दिया जाता है और इस ऋण को लेने के लिए किसी भी प्रकार के गारंटर की आवश्यकता नहीं होती हैं। अगर महिला उद्यमी अपने ऋण को पुनरभुगतान करना चाहता है तो उसकी अवधि 7 वर्ष है। इसके तहत 2% ऋण ब्याज दर की महिला उद्यमी को रियायत भी दी जाती हैं।

मुद्रा योजना महिला उद्यमी (Mudra Yojana Scheme For Women)–

भारत सरकार द्वारा संचालित इस योजना के तहत वे महिलाएं जो, अपना व्यवसाय छोटे उद्यमों से शुरू करना चाहती हैं, जैसे ट्यूशन सेंटर, टेलरिंग यूनिट या फिर ब्यूटी पार्लर तो उन्हें किसी सम पार्श्विक गारंटर की आवश्यकता के बिना ऋण दिया जाता है। ऋण प्रदान करते समय आपको एक मुद्रा कार्ड भी दिया जाएगा और यह मुद्रा कार्ड आपके क्रेडिट कार्ड के समान ही कार्य करेगा और इस पर ऋण राशि के 10% तक सीमित धनराशि जमा होगी। मुद्रा योजना का लाभ आप तीन जनों के द्वारा उठा सकते हैं, जो कि इस प्रकार है –

- शिशु – इसमें ऋण राशि 50000 तक सीमित हैं।
- किशोर – इसमें ऋण राशि 50000 से लेकर 5 लाख रुपए के बीच होती हैं। इसका लाभ स्थापित उद्यम वाले लोगों द्वारा उठाया जा सकता है।
- तरुण – इसमें ऋण राशि 1000000 रुपए तक की होती हैं।

इन तीन चरणों के द्वारा महिला उद्यमी इस मुद्रा योजना का लाभ बड़ी ही आसानी से उठा सकती हैं और अपने व्यवसाय को अच्छा कर सकती है।

भारतीय महिला बैंक व्यवसायिक ऋण (Bharatiya Mahila Bank Business Loan)

भारतीय महिला बैंक व्यवसायीक ऋण को उन महिला उद्यमियों के लिए लघु किया गया है, जो अपना नया उद्यम खुदरा क्षेत्र में संपत्ति, और SME खिलाफ शुरू करना चाहती है। महिला उद्यमी को इस योजना के तहत अधिकतम ऋण राशि 200000000 तक दी जाती हैं और जिस पर 0।25% की छूट भी दी जाती है। इसे ऋण राशि पर ब्याज दर आमतौर पर 10।15% या फिर उससे अधिक की होती है। भारतीय महिला बैंक व्यवसायीकरण योजना की सबसे अच्छी बात यह है, कि यह लघु और सूक्ष्म उद्यम के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट के तहत एक करोड़ तक के ऋण के लिए सवपार्श्विक सुरक्षा की आवश्यकता नहीं होती हैं।

देना शक्ति योजना (Dena Shakti Scheme) –

अगर महिला उद्यमी कृषि, विनिर्माण ,सूक्ष्म-ऋण,खुदरा स्टोर या फिर सूक्ष्म उद्यमों के क्षेत्र में अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहती हैं और जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती हैं उन्हें इस प्रकार के ऋण देना शक्ति योजना के तहत प्रदान किए जाते हैं। महिला उद्यमी को खुदरा व्यापार के लिए इस योजना के तहत अधिकतम ऋण राशि 2000000 दी जाती है, जिस पर ब्याज दर जीरो प्वाइंट 25% होती हैं। ऋण में प्रदान की गई बैंक द्वारा इस राशि को महिला उद्यमी किस्तों के मासिक भुगतान के द्वारा बड़ी ही आसानी से चुका सकती हैं।

उद्योगिनी योजना (Udyogini Scheme)–

इसी योजना के तहत वह महिला उद्यमी जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष है और जो अपना व्यवसाय कृषि, खुदरा और छोटे उद्यमी क्षेत्र में कर रही हैं, उन्हें एक लाख रुपए तक ऋण दिया जाता है। अगर महिला उद्यमी के परिवार की वार्षिक आय ₹45000 से कम है, तभी वह इस योजना के द्वारा ऋण ले सकते हैं अन्यथा नहीं। इसकी सबसे अच्छी बात यह है, कि एससी और एसटी श्रेणियों की विधवा, निराशत्र या विकलांग महिलाओं को ₹10000 तक के ऋण पर 30% की सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। उद्योगिनी योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी के द्वारा महिला उद्यमी अपने स्टार्टअप को काफी अच्छा ग्रो कर सकती हैं।

सेण्ट कल्याणी योजना (Cent Kalyani Scheme) –

अगर महिला अपना नया उद्यम शुरू करना चाहती हैं या फिर उसे संशोधित करना चाहती हैं, तो सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा उन्हें ऋण की डीएचएस योजना का लाभ दिया जाता है। इस योजना के तहत यह ऋण उन महिला उद्यमियों द्वारा लिया जा सकता है जो गांव, लघु , और मध्यम उद्योगों, स्वरोजगार, कृषि खुदरा व्यापार जैसे व्यवसायिक उद्यमों में शामिल होती हैं। इसी योजना के तहत महिला उद्यमी को ऋण लेते समय किसी भी गारंटर की आवश्यकता नहीं पड़ती हैं और इस योजना के तहत दी जाने वाले अधिकतम ऋण राशि 1 लाख हैं।

महिला उद्यम निधि योजना (Mahila Udyam Nidhi Scheme)

महिला उद्यम निधि योजना को पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना का उद्देश्य लघु उद्योग में शामिल महिला उद्यमों को ऋण देकर उनका समर्थन करना है। महिला उद्यम निधि योजना के तहत दी जाने वाली ऋण राशि को महिला उद्यमी द्वारा 10 वर्षों की अवधि में बड़ी ही आसानी से चुकाया जा सकता है। महिला निधि योजना के तहत ब्यूटी पार्लर, डे केयर सेंटर, ऑटो रिक्शा दो पहिया वाहन का राधे खरीदने की अलग-अलग ऋण योजनाएं भी शामिल हैं और इसी योजना के तहत दी जाने वाली अधिकतम ऋण राशि 1000000 रुपए हैं।

स्त्री शक्ति योजना (Stree Shakti Package For Women Entrepreneurs)-

यह योजना महिला उद्यमियों को ऋण राशि में छूट की दर प्रधान करवाती हैं। इसी योजना के तहत अगर महिला उद्यमी की ऋण की राशि 200000 से अधिक होती हैं, तो यह 0।50% की छूट उस ब्याज दर पर प्रदान करवाती है। सरकार द्वारा इसी योजना को एसबीआई बैंक की अधिकांश शाखाओं द्वारा संचालित की गई है।

इसके अतिरिक्त भी भारत सरकार द्वारा बहुत सारी योजनाएं महिला आन्त्रप्रेंयूर्शिप को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही है जिनसे कुछ इस प्रकार है।

- Integrated Rural Development Programme (IRDP)
- Khadi And Village Industries Commission (KVIC)
- Training of Rural Youth for Self-Employment (TRYSEM)
- Prime Minister‘s Rojgar Yojana (PMRY)
- Entrepreneurial Development programme (EDPs)
- Management Development progammes
- Women‘s Development Corporations (WDCs)
- Marketing of Non-Farm Products of Rural Women (MAHIMA)
- Assistance to Rural Women in Non-Farm Development (ARWIND) schemes
- Trade Related Entrepreneurship Assistance and Development (TREAD)
- Working Women‘s Forum
- Indira Mahila Yojana
- Indira Mahila Kendra
- Mahila Samiti Yojana
- Mahila Vikas Nidhi
- Micro Credit Scheme
- Rashtriya Mahila Kosh
- SIDBI‘s Mahila Udyam Nidhi
- Mahila Vikas Nidhi
- SBI‘s Stree Shakti Scheme
- NGO‘s Credit Schemes

- Micro & Small Enterprises Cluster Development Programmes (MSE-CDP)।
- National Banks for Agriculture and Rural Development's Schemes
- Rajiv Gandhi Mahila Vikas Pariyojana (RGMVP)
- Priyadarshini Project
- NABARD SEWA Bank project

सरकार और उसकी विभिन्न एजेंसियों के प्रयासों को गैर-सरकारी संगठनों द्वारा पूरक किया जाता है जो महिला सशक्तिकरण को सुविधाजनक बनाने में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के ठोस प्रयासों के बावजूद कुछ कमियां बाकी हैं। निश्चित रूप से हम महिलाओं को सशक्त बनाने में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं, फिर भी भविष्य की यात्रा कठिन और लम्बी है।

कुछ सफल महिला उद्यमी जो भारतीय समाज में अपना नाम रोशन कर रही है:-

भारतीय महिला उद्यमियों का नया समूह साहसी है, जोखिम उठाने के लिए तैयार है और हर दिन कुछ नया सीखता है। जबकि कुछ के पास अपने चुने हुए रास्ते की एक बैकग्राउंड है, तो कुछ अन्य हैं जिन्होंने अपने संबंधित क्षेत्रों में वर्षों तक ज्ञान प्राप्त किया है और आगे बढ़ने के लिए बाधाओं को दूर किया है। सामाजिक सेवा क्षेत्र में हों या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, महिलाएं नए रास्ते बना रही हैं और बेजोड़ निपुणता एवं आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन के सभी पहलुओं को संतुलित कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, हमने कुछ प्रेरणादायक भारतीय महिला उद्यमियों की कहानियों को लिया है, जो अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और बेंचमार्क स्थापित कर रही हैं।

वंदना लूथरा – वीएलसीसी की संस्थापक

वंदना लूथरा एक भारतीय व्यवसायी, परोपकारी और ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल (B&WSSC) की चेयरपर्सन हैं। 1989 में, उन्होंने वीएलसीसी नामक कंपनी को ब्यूटी एंड स्लिमिंग सर्विस सेंटर के रूप में देखा। बाद में, उन्होंने हेयर बिल्ड, फुल-बॉडी लेजर, ग्रूमिंग और डर्मेट सेवाओं जैसी और सेवाओं को जोड़ा। अप्रैल 2013 में, उन्हें भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वंदना लूथरा खुशी नामक एनजीओ चला रही हैं, जो वंचित और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को मुफ्त शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

किरन मजूमदार शॉ

किरण मजूमदार शॉ को भारत की सबसे धनी स्व-निर्मित महिला उद्यमी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने 1978 में एक बायोफार्मास्युटिकल फर्म की स्थापना की थी। यह फर्म यूएस बायोसिमिलर बाजार में प्रवेश कर चुकी है और निवेशकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फोर्ब्स के अनुसार, यूएसएफडीए से मंजूरी पाने वाली यह पहली कंपनी है। उन्होंने गहन अनुसंधान एवं विकास-आधारित बायोटेक फर्म का निर्माण करने के लिए बड़ा भाग्य लगाया है। 2019 में उन्होंने भारत की 54 वीं सबसे अमीर व्यक्ति और दुनिया की 65 वीं शक्तिशाली महिला का खिताब अपने नाम किया। जहां तक उनकी योग्यता का सवाल है, उन्होंने क्रमशः बैंगलोर विश्वविद्यालय और मेलबर्न विश्वविद्यालय से स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की।

प्रिया पॉल- पार्क होटल की चेयरपर्सन

प्रिया पॉल एक भारतीय महिला उद्यमी हैं जो एपीजे सुरेंद्र पार्क होटलों की अध्यक्ष हैं। वेलेस्ली कॉलेज (यूएस) से अपनी पढ़ाई खत्म करने के बाद, उन्होंने अपने पिता के अधीन मार्केटिंग मैनेजर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। 51 साल की उम्र में उन्हें सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक माना जाता है। विकिपीडिया के अनुसार, 2012 में, पॉल ने प्रतिभा शिंग पाटिल (पूर्व भारतीय राष्ट्रपति) द्वारा भारत के सबसे सम्माननीय पुरस्कार पद्म श्री पुरस्कार को संशोधित किया।

रितु कुमार – फैशन डिजाइनर

रितु कुमार एक भारतीय फैशन डिजाइनर हैं जिन्होंने कोलकाता में अपने फैशन करियर की शुरुआत की। शुरुआत में वह दुल्हन के कपड़े और शाम के कपड़े बना रही थी। दशकों के बाद, उसने एक अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश किया। वह कई अलग-अलग फोर्जिंग शहरों फ्रांस और न्यूयॉर्क में अपने व्यवसाय का संचालन कर रही है। 2013 में, उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया। अपनी शिक्षा के बारे में, उन्होंने लोरेटो कॉन्वेंट में स्कूली शिक्षा पूरी की और लेडी इरविन कॉलेज से कॉलेज किया है। बाद में उन्हें न्यूयॉर्क के ब्रियरक्लिफ कॉलेज में छात्रवृत्ति मिली, जहां उन्होंने कला इतिहास का अध्ययन किया।

सुची मुखर्जी – लाइमरोड के संस्थापक और सीईओ

2012 में, सुची मुखर्जी ने ऑनलाइन क्लोर्दिंग और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज मार्केटप्लेस बनाया और इसका नाम लाइमरोड रखा। आज यह कंपनी पुरुषों और महिलाओं के लिए भारत की सबसे स्टाइलिश ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट के रूप में जानी जाती है। उसने अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और मास्टर वित्त की डिग्री हासिल करने के लिए लंदन में आर्थिक स्कूल गई। अगर हम उनकी उपलब्धि के बारे में बात करते हैं, तो उन्हें साल के सबसे अच्छे स्टार्ट-अप (बिजनेस टुडे से), इन्फोकॉम वुमन ऑफ द ईयर- डिजिटल बिजनेस और यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप अवार्ड जैसे कई पुरस्कार मिले।

इंद्रा नूयी – अमेज़न की बोर्ड सदस्य

इंदिरा नूयी पेप्सिको की पूर्व सीईओ हैं, जो अमेज़न के निदेशक मंडल में शामिल हो गई हैं। येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद, उन्होंने जॉनसन एंड जॉनसन में उत्पाद प्रबंधक के रूप में काम किया। बाद में वह एक रणनीति सलाहकार के रूप में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में शामिल हो गईं। 1994 में, उन्होंने पेप्सिको में काम करना शुरू किया, बाद में उन्होंने 2006 से 2018 तक सीईओ के रूप में कंपनी का नेतृत्व किया। फरवरी 2019 में, उन्होंने अमेज़ॅन के निदेशक मंडल का सदस्य चुना। 2017 में, उन्होंने फोर्ब्स के अनुसार दुनिया की 11 वीं शक्तिशाली महिला का खिताब अपने नाम किया।

अदिति गुप्ता – मेनस्ट्रूपीडिया की को-फाउंडर

अदिति गुप्ता मेनस्ट्रुपीडिया की लेखिका और सह-संस्थापक हैं। अदिति और उनके पति ने लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में समझाने और शिक्षित करने के लिए एक कॉमिक बुक बनाई। बाद में उन्होंने menstrupedia।com नाम से एक वेबसाइट बनाई। 2014 में, मेनस्ट्रूपीडिया अपने स्कूल संपर्क कार्यक्रम के लिए व्हिस्पर इंडिया के साथ एक भागीदार बन गया और "टच द अचार" प्रस्तुत किया, यह आंदोलन चार अलग-अलग शहरों में हुआ। 2014 में, उसने एक कॉमिक बुक लॉन्च की और उसे काफी सफलता मिली, इस किताब का स्पेनिश और नेपाली में अनुवाद किया गया है। मेनस्ट्रूपीडिया कॉमिक्स का उपयोग ब्राइट इंग्लिश स्कूल अहमदाबाद, इकोल मोंडियाल वर्ल्ड स्कूल, जीएलएस प्राइमरी स्कूल और कई अन्य स्कूलों द्वारा किया जाता है।

फाल्गुनी नायर – नायका के संस्थापक

कोटक महिंद्रा के साथ एक निवेश बैंकर के रूप में 20 साल काम करने के बाद, उसने अपने सपने को पूरा करने के लिए नौकरी छोड़ दी। 2012 में, उन्होंने कंपनी Nykaa को देखा, जो ऑनलाइन कॉस्मेटिक और वेलनेस उत्पाद बेचती है। आज, कंपनी भारतीय महिलाओं के बीच इतनी प्रसिद्ध हो गई है। कंपनी 850 से अधिक ब्रांडों की पेशकश करती है और 35 भौतिक स्टोर पेश कर चुकी है। 2017 में, उन्हें बिजनेस टुडे द्वारा "सबसे शक्तिशाली व्यवसाय" का खिताब मिला। उन्हें इकोनॉमिक टाइम्स में "वुमन अहेड" पुरस्कार भी मिला। 2014 से, कंपनी फेमिना के साथ भागीदार रही है।

वाणी कोला – संस्थापक, कलारी कैपिटल

वाणी कोला एक उद्यम पूंजीपति और कलारी कैपिटल के संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है। सिलिकॉन वैली में अपने 22 वर्षों के दौरान, उन्होंने दो कंपनी राइटवोक और सर्टस सॉफ्टवेयर की स्थापना की। 2006 में, वह भारत लौट आई। भारत में, उन्होंने अपना करियर एक वेंचर कैपिटलिस्ट के रूप में शुरू किया, उन्होंने NEA (न्यू एंटरप्राइज एसोसिएट्स) के साथ साझेदारी की। सितंबर 2012 में, कलारी कैपिटल ने 150 मिलियन डॉलर के फंड के साथ काम करना शुरू किया। 2018 में, उन्होंने टीआईई दिल्ली-एनसीआर 5 वां संस्करण महिला उद्यमिता शिखर सम्मेलन पुरस्कार जीता। उन्हें उद्यमिता के लिए NDTV वूमेन ऑफ वर्थ पुरस्कार भी मिला।

राधिका घई – को-फाउंडर, Shopclues।com

फैशन और जीवन शैली, विज्ञापन और जनसंपर्क, और अन्य जैसे कई उद्योगों में 15 से अधिक वर्षों के विपणन अनुभव से लैस है। वह Shopclues।com की सह-संस्थापक बनीं। 2011 में, कंपनी की स्थापना सिलिकॉन वैली में हुई थी। आज, यह ई-कॉमर्स व्यवसाय भारत का सबसे बड़ा पूरी तरह से प्रबंधित बाज़ार बन गया है और हर महीने इसके 7 मिलियन से अधिक आगंतुक हैं। कंपनी 9 हजार से ज्यादा शहरों में सर्विस करती है। उन्होंने वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से MBA किया है। उनकी यह उपलब्धि उन्हें भारत में नवोन्मेषी तकनीकी महिला उद्यमी बनाती है।

REFERENCES

1. https://www.businessideashindi.com/work-caree-schemes-women-entrepreneurs-india-hindi/
2. https://leverageedu.com/blog/hi/
3. https://blog.ziploan.in/hi/top-10-business-women-in-india-in-hindi/
4. https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/women_entrepreneursıhtml
5. https://www.ashishcommerceclasses.com/2022/08/mahila-udyami-kise-kahte-hai-hindi.html
6. https://www.yourarticlelibrary.com/women/women-entrepreneurship/women-entrepreneurship/99813